अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड

गजेन्द्र निधि की इकाई(तत्त्वावधान-अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ)
प्रधान कार्यालय : नेहरू पार्क, जोधपुर-342 001 (राज.)
फोन: 0291-2630490,व्हाट्स ऐप (what's app)-7610953735
Website: www.jainratnaboard.com
E-mail : shikshanboardjodhpur@gmail.com

1.नाम श्री/श्रीमती/सुश्री (Name Shri/Smt/Miss).....

2.पिता/पति का नाम (Name of Father/Husband).....

3.पूरा पता (Postal Address).....

4.जिला(Dist.).....5.राज्य(State).....6. पिन कोड़ (Pin Code).....

7.Aadhaar No.....8.STDCODE.....(R).....(O).....

9.MOBILE | | | | | | | | | | 10.जन्म दिनांक(DOB) | | | | | | | | 11.शिक्षा(Edu.).....

12.कक्षा जिसमें परिक्षार्थी प्रवेश चाहता है (Class Appearing).....

13.माध्यम (Medium)-हिन्दी☐ अग्रेजी☐ गुजराती☐ 14.पूर्व परिक्षार्थी के रोल नं. (Old Student Roll No.).....

15.परीक्षा केन्द्र व कोड संख्या(Examination Centre & Code.).....

पुरस्कार प्राप्ति हेतु बैंक खाता विवरण (Bank A/c Details Required For Prize)

A/c No:-.....A/c Holder Name.....

Bank Name.....Branch Name .....

IFSC Code.....

दिनांक(Date)

आवेदक के हस्ताक्षर
(Signature of Applicant)

विशेष :–

- वरीयता सूची में स्थान पाने वालों को विशेष पुरस्कार।
- परीक्षा के दिन अपना फोटो युक्त पहचान–पत्र साथ में लाना अनिवार्य है।
- 50 तथा अधिक अंक लाने वाले सभी परीक्षार्थियों को पुरस्कृत किया जायेगा।
- पुरस्कार प्राप्ति के लिये अपनी बैंक खाते की पूर्ण जानकारी अंग्रेजी के केपिटल अक्षरों में भरकर अवश्य देवें।
- आवेदन पत्र अन्तिम दिनांक तक जमा कराना अनिवार्य है।

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड

गजेन्द्र निधि की इकाई(तत्त्वावधान-अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ)

प्रधान कार्यालय : नेहरू पार्क, जोधपुर-342 001 (राज.)

फोन: 0291-2630490,व्हाट्स ऐप (what's app)-7610953735

Website: www.jainratnaboard.com

E-mail : shikshanboardjodhpur@gmail.com

शिक्षण बोर्ड पाठ्यक्रम (कक्षा 1 से 12)

प्रथम कक्षा-जैन कौन- देव-गुरु-धर्म, सामायिक मूल, 32 दोष एवं विधि सहित, उच्चारण शुद्धि के नियम, 25 बोल 1 से13 तक (मूल),भगवान महावीर, नवकार मंत्र, जय बोलो महावीर स्वामी की, 24 तीर्थंकरों के नाम, सप्तकुव्यसन, पाँच अभिगम, विनय-स्वरूप, महत्त्व।

द्वितीय कक्षा- सामायिक सूत्र अर्थ एवं प्रश्नोत्तर,25 बोल- 14 से 25 तक मूल,भगवान पार्श्वनाथ, ओम शान्ति- शान्ति,जरा कर्म देखकर , ज्ञान प्राप्ति के बाधक कारण, महापापी, यतना - स्वरूप, महत्त्व,प्रथम कक्षा के सूत्र तत्त्व में से दस अंकों के प्रश्न।

तृतीय कक्षा- प्रतिक्रमण सूत्र - इच्छामि खमासमणो तक,25 बोल की परिभाषाएँ,67 बोल,भगवान ऋषभदेव,एक सौ आठ बार, दुनिया में देव, वन्दना का अर्थ एवं भेद, बारह भावना के दोहे, पाँच आचार, जैन धर्म और पर्यावरण,द्वितीय कक्षा के सूत्र तत्त्व में से दस अंकों के प्रश्न।

चतुर्थ कक्षा- प्रतिक्रमण सूत्र-पूर्ण-विधि सहित,कर्म प्रकृति,उपयोग,संज्ञा का थोकड़ा,14 नियम,3 मनोरथ,भगवान शान्तिनाथ,मेरे अन्तर भया....., आओ भगवन् ...,नवकारसी,उपवास, दया एवं संवर के पाठ,सचित्त - अचित्त विवेक, जमीकन्द त्याग,तृतीय कक्षा के सूत्र तत्त्व में से दस अंकों के प्रश्न।

पाँचवीं कक्षा- प्रतिक्रमण सूत्र अर्थ एवं प्रश्नोत्तर ,समिति गुप्ति का थोकड़ा ,भक्तामर 1 से 16 श्लोक तक भावार्थ सहित,मैंने बहुत किए अपराध, जय जिनवर जय.... , आयम्बिल, एकासन, पोरिसी के प्रत्याख्यान,चतुर्थ कक्षा के सूत्र तत्त्व में से दस अंकों के प्रश्न।

छठी कक्षा- दशवैकालिक अ. 1, 2 मूल व अर्थ कंठस्थ, जीवनोपयोगी गाथाएँ, अन्तगड सूत्र - सामान्य परिचय,गति-आगति, जयन्ती बाई का थोकड़ा, रत्नाकर पच्चीसी- (हिन्दी), भक्तामर - 17 से 32 श्लोक तक भावार्थ सहित, रात्रि भोजन त्याग, अस्वाध्याय के 34 कारण, आगम स्वरूप एवं विशेषताएँ, पौषधव्रत भेद एवं विशेषताएँ।

सातवीं कक्षा- दशवैकालिक अ.3 मूल व अर्थ कण्ठस्थ,अन्तगड सूत्र- सामान्य प्रश्नोत्तर,नव तत्त्व का थोकड़ा,भक्तामर - 33 से 48 श्लोक तक भावार्थ सहित।

आठवीं कक्षा- दशवैकालिक अ. 4 मूल व अर्थ कण्ठस्थ,लघुदण्डक का थोकड़ा,क्रोध-मान-माया-लोभ विजय,वीर स्तुति - मूल व शब्दार्थ, भावार्थ कण्ठस्थ,आराधक - विराधक की विशेषताएँ।

नवमीं कक्षा- उत्तराध्ययन अ. 3, 4 मूल व अर्थ कण्ठस्थ,तत्त्वार्थ- अ. 1, 2 भावार्थ एवं प्रश्नोत्तर, अनेकान्त- स्वरूप,गुणस्थान स्वरूप का थोकड़ा, व्रत- प्रत्याख्यान सम्बन्धी जानकारी।

दसवीं कक्षा- उत्तराध्ययन अ. - 10 मूल व अर्थ ,सुखविपाक - मूल व अर्थ , तत्त्वार्थ अ. - 3, 4, 5 भावार्थ एवं प्रश्नोत्तर, जीव पज्जवा का थोकड़ा, जैन धर्म की मौलिक विशेषताएँ, प्राकृत व्याकरण अ. 1 से 5।

ग्यारहवीं कक्षा- उत्तराध्ययन अ. - 29 मूल व अर्थ ,तत्त्वार्थ अ. 6, 7 भावार्थ एवं प्रश्नोत्तर,कर्मग्रन्थ भाग - 2, स्थानकवासी परम्परा की मान्यताएँ, प्राकृत व्याकरण अ. 6 से 10 तक,

बारहवीं कक्षा- आचारांग सूत्र के - चयनित सूत्र,राजप्रश्नीय सूत्र के प्रश्नोत्तर,तत्त्वार्थ अ. - 8,9,10 भावार्थ एवं प्रश्नोत्तर,कर्मग्रन्थ भाग-3,प्राकृत व्याकरण अ. 11 से 15 तक।

जैनागम स्तोक वारिधि (थोकड़ा) पाठ्यक्रम

<u>प्रथम कक्षा</u>- 25 बोल, 67 बोल, सुपच्चक्खाण-दुपच्चक्खाण, संज्ञा, सवणे नाणे

<u>द्वितीय कक्षा</u>- कर्म प्रकृति, गति-आगति, चौदह गुणस्थान का बासठिया, रूपी-अरूपी, उपयोग

<u>तृतीय कक्षा</u>- नवतत्त्व, जयन्तीबाई, भवभ्रमण, श्वासोच्छ्वास, श्रमण निर्ग्रन्थों के सुख की तुल्यता

<u>चतुर्थ कक्षा</u>- समिति-गुप्ति, ज्ञान लब्धि, 32 बोल का बासठिया, पाँच देव, छोटी गतागत

<u>पाँचवीं कक्षा</u>- लघुदण्डक, गुणस्थान, द्रव्येन्द्रिय, आठ आत्मा, असंयत भव्य द्रव्य देव

<u>छठी कक्षा</u>- अबाधाकाल, 98 बोल का बासठिया, विरह, दिशाणुवाई, छः काय

<u>सातवीं कक्षा</u>- 47 बोल की बन्धी, जीव पज्जवा, अजीव पज्जवा, 256 राशि, 50 बोल की बन्धी

<u>आठवीं कक्षा</u>- जीवधड़ा, 102 बोल का बासठिया, आहार पद, आत्मारंभी, छः भाव

<u>नवमीं कक्षा</u>- सर्वबन्ध-देशबन्ध, नियण्ठा, संजया, 800 बोल की बन्धी, पदवी

<u>दसवीं कक्षा</u>- काय स्थिति,भाषा पद, पुद्गल परावर्तन, मड़ाई अणगार, सिद्धो का थोकड़ा